IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के बहुपक्षीय रूचि का उनके शैक्षिक आकांक्षा पर प्रभाव का अध्ययन

डॉ. (श्रीमती) जयश्री वर्मा
सहायक प्राध्यापिका
भिलाई नायर समाजम महाविद्यालय,
भिलाई, जिला–दुर्ग

सुनीता कुमारी,
सहायक प्राध्यापिका (शिक्षा)
सोमनी महाविद्यालय, राजनांदगाँव

सारांश –

प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के बहुपक्षीय रूचि का उनके शैक्षिक आकांक्षा पर प्रभाव का अध्ययन करना है। प्रस्तुत अध्ययन हेतु न्यादर्श के रूप में दुर्ग जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 100 विद्यार्थियों का यादृच्छिक रूप से चयन किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में उपकरण हेतु डॉ. (श्रीमती) एस. के बाबा द्वारा निर्मित बहुपक्षीय रूचि मापनी तथा वी.पी. शर्मा व अनुराधा गुप्ता (2015) द्वारा निर्मित शैक्षिक आकांक्षा मापनी का प्रयोग किया गया है। चयनित विद्यार्थियों पर उपरोक्त उपकरण का प्रशासन करने उनके प्राप्तांक ज्ञात किये गये तथा परिकल्पनाओं के सत्यापन के लिए सह–संबंध ज्ञात किया गया। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के बहुपक्षीय रूचि का उनकी शैक्षिक आकांक्षा के मध्य सार्थक संबंध नही पाया गया

किवर्ड : उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बहुपक्षीय रूचि, शैक्षिक आकांक्षा

प्रस्तावना –

शिक्षा एक सामाजिक विकास की आवश्यकता है। समुदाय की स्वभाविक विशेषता रही है उसने सामाजिक विकास के हर युग में समाज को दिशा और स्वरूप देने में सहायता की है। माध्यमिक स्तर पर बालक की शैक्षिक रूचियों अधिक होने के कारण खोज प्रवृत्ति, नवीनता, सृजनात्मकता प्रदर्शित होती है। इसलिए इस स्तर पर छात्र–छात्राओं की शैक्षिक रूचियों के अनुसार पाठ्यक्रम तथा शिक्षण विधियों का निर्धारण करना अत्यन्त महत्वपूर्ण है तभी बालक का सर्वांगीण विकास, सुयोग्य, कर्त्तव्यनिष्ठ व सजग नागरिक भी बन सकता है।

शैक्षिक आकांक्षाएँ किशोर छात्रो के कैरियर निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन एक ऐसा ही प्रयास है।

बहुपक्षीय रूचि –

बहुपक्षीय रूचि से तात्पर्य किशोरों की उन भावनाओं से है जिसमें वे बहुत से रूचियों की ओर एक साथ आकर्षित होते हैं।

रूचि की परिभाषा –

रूचि स्वभाव का गतिशील पक्ष होता है। रूचि वह प्रवृत्ति है जिसमें हम किसी व्यक्ति, वस्तु या क्रिया

की ओर ध्यान देते हैं, उससे आकर्षित होते हैं या संतुष्टि प्राप्त करते है।

शैक्षिक आकांक्षा –

प्रत्येक व्यक्ति की कोई न कोई लालसा या अभिलाषा अवश्य होती है, जो कि उच्च या निम्न स्तर की भी हो सकती है। इसी आधार पर व्यक्तियों का वर्गीकरण यथार्थवादी एवं निराशावादी श्रेणी में किया जाता है। किसी व्यक्ति में, किसी भी क्षेत्र में कुछ कर दिखाने या बनने की विद्यमान अभिलाषा को आकांक्षा कहा जाता है तथा वह व्यक्ति आकांक्षी या महत्वाकांक्षी कहलाता है। आकांक्षा और महत्वकांक्षा में कोई विशेष अन्तर नहीं है। आकांक्षा जहाँ लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रयत्न है, वहीं महत्वकांक्षा उससे आगे का एक कदम।

सोरेन्स के अनुसार –

"आकांक्षा स्तर, व्यक्ति द्वारा स्वयं के लिए विशिष्ट लक्ष्यों का निर्धाण करना है। आकांक्षा रूतर क्षमता व योग्यता तथा पूर्ण सफलता व असफलता से भली–भाँति प्रभावित होता है।"

अध्ययन की आवश्यकता –

वर्तमान समय में विभिन्न कैरियर उपलब्धता के कारण छात्रों की रूचियाँ दिन–प्रतिदिन बदलती रहती है एवं इंटरनेट के विभिन्न साधनों द्वारा दिन प्रति–दिन छात्रों की बदलती शैक्षिक रूचि एवं शैक्षिक आकांक्षा का अध्ययन आवश्यक प्रतीत होता है। किशोरावस्था वह अवस्था होती है जब विद्यार्थी अत्यधिक दिशाहीन होते है तथा प्रतिदिन विभिन्न कारणों से प्रभावित होकर उनकी रूचियाँ बदलती रहती है। जैसे–जैसे छात्रों की रूचियाँ बदलती है वह अत्यधिक काल्पनिक प्रवृत्ति के हो जाते है तथा छात्रों की यह प्रकृति उनकी शैक्षिक आकांक्षा को भी प्रभावित करती है। अतः शैक्षिक आकांक्षा एवं

बहुपक्षीय रूचि का अध्ययन सामाजिक एवं शैक्षिक दोनों ही दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।

अध्ययन का उद्देश्य –

- उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के बहुपक्षीय रूचि एवं शैक्षिक आकांक्षा में संबंध का अध्ययन करना।
- उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बहुपक्षीय रूचि एवं शैक्षिक आकांक्षा में संबंध का अध्ययन करना।
- उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं के बहुपक्षीय रूचि एवं शैक्षिक आकांक्षा में संबंध का अध्ययन करना।

अनुसंधान विधि –

प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य की प्राप्ति का परिकल्पना के परीक्षण हेतु आंकड़ें एकत्र करने के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन की परिसीमा –

प्रस्तुत शोध में दुर्ग जिले के शहरी एवं ग्रामीण उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं तक सीमित किया गया है। दुर्ग जिले के तीन विकासखण्डों (दुर्ग, धमधा एवं पाटन) तक ही सीमित किया गया है। दुर्ग जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 100 विद्यार्थियों पर किया गया है।

न्यादर्श –

अध्ययन में परिकल्पनाओं के सत्यापन के लिए दुर्ग जिले के तीन विकासखण्डों (दुर्ग, धमधा एवं पाटन) के शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को यादृच्छिक रूप से चयन किया गया है।

सांख्यिकीय विश्लेषण –

शून्य परिकल्पना से प्राप्त प्रदत्तों को विश्लेषण मध्यमान एवं प्रमाणिक विचलन तथा सार्थकता ज्ञात करने हेतु सह–संबंध का प्रयोग किया गया है।

परिकल्पना परिणाम व विश्लेषण –

प्रस्तुत शोध की समस्या दुर्ग जिले उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से प्राप्त आंकड़ों की व्याख्या विश्लेषण एवं निष्कर्ष हेतु परिकल्पना का सत्यापन किया गया।

परिकल्पना –

H_{01} –

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के बहुपक्षीय रूचि एवं शैक्षिक आकांक्षा में सार्थक संबंध नही पाया जायेगा।

उपर्युक्त परिकल्पना की सत्यता की जाँच करने के लिए शोधकर्ता ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के बहुपक्षीय रूचि एवं शैक्षिक आकांक्षा का मध्यमान, प्रमाणिक विचलन ज्ञात कर सह–संबंध ज्ञात किया। प्राप्त मध्यमान, प्रमाणिक विचलन व सह–संबंध को निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

सारणी क्रमांक 1.1

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों से प्राप्त आँकड़ा

समूह	N	M	SD	$\sum xy$	(r)
बहुपक्षीय रूचि	50	89.3	13.8	518.5	0.08
शैक्षिक आकांक्षा	50	28.35	4.6		
df = N_1+N_2-2=98 (0.195)> r, सार्थक संबंध नही है।					

अतः इस परिकल्पना से यह स्पष्ट होता है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के बहुपक्षीय रूचि एवं शैक्षिक आकांक्षा में सार्थक संबंध नही पाया गया। अतः यह परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_{02} –

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बहुपक्षीय रूचि एवं शैक्षिक आकांक्षा में सार्थक संबंध नही पाया जायेगा।

उपर्युक्त परिकल्पना की सत्यता की जाँच करने के लिए शोधकर्ता ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बहुपक्षीय रूचि एवं शैक्षिक आकांक्षा का मध्यमान, प्रमाणिक विचलन ज्ञात कर सह–संबंध ज्ञात किया। प्राप्त मध्यमान, प्रमाणिक विचलन व सह–संबंध को निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

सारणी क्रमांक 1.2

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों से प्राप्त आँकड़ा

समूह	N	M	SD	$\sum xy$	(r)
बहुपक्षीय रूचि	25	85.8	10.8	500	0.12
शैक्षिक आकांक्षा	25	26.3	6.7		
d = N_1+N_2-2=48 (0.277)> 0.12 , सार्थक संबंध नही है।					

अतः इस परिकल्पना से यह स्पष्ट होता है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बहुपक्षीय रूचि एवं शैक्षिक आकांक्षा में सार्थक संबंध नही पाया गया। अतः यह परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_{03} –

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं के बहुपक्षीय रूचि एवं शैक्षिक आकांक्षा में सार्थक संबंध नही पाया जायेगा।

उपर्युक्त परिकल्पना की सत्यता की जाँच करने के लिए शोधकर्ता ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं के बहुपक्षीय रूचि एवं शैक्षिक आकांक्षा का मध्यमान, प्रमाणिक विचलन ज्ञात कर सह–संबंध ज्ञात किया। प्राप्त मध्यमान, प्रमाणिक विचलन व सह–संबंध को निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

सारणी क्रमांक 1.3

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं से प्राप्त आँकड़ा

समूह	N	M	SD	$\sum xy$	(r)
बहुपक्षीय रूचि	25	86.7	13.8	500	0.14
शैक्षिक आकांक्षा	25	23.2	6.9		
N= N_1+N_2-2=48 (0.277)> 0.14 , सार्थक संबंध नही है।					

. अतः इस परिकल्पना से यह स्पष्ट होता है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं के बहुपक्षीय रूचि एवं शैक्षिक आकांक्षा में सार्थक संबंध नही पाया गया। अतः यह परिकल्पना स्वीकृत होती है।

विवेचना –

उपर्युक्त परिकल्पनाओं के विश्लेषण एवं उनसे प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर यह स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के वहपक्षी रुचि एवं शैक्षिक आकांक्षा में सार्थक संबंध नहीं पाया गया छात्र एवं छात्राओं के अलग–अलग अध्ययन में भी बहुपक्षीय रुचि एवं शैक्षिक आकांक्षा में सार्थक संबंध नहीं पाया गयाके तीनों ही परिकल्पनाओं में माध्य अधिक पाया गया है अतः उपरोक्त विवेचना के आधार पर कहा जा सकता है कि शैक्षिक आकांक्षा एवं विपक्षी रुचि आपस में निम्न स्तर से संबंधित होते है। अतः यह भी कहा जा सकता है कि बहपक्षीय रूचि का शैक्षिक आकांक्षा पर कोई प्रभाव नही पड़ता है।

सुझाव –

इस अध्ययन के परिणाम के आधार पर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्रों के फुंसियों को और विकसित करने की आवश्यकता पाई गई शैक्षिक आकांक्षा अगर छात्रों में स्वाभाविक रूप से है तो उसे और बढ़ाने की आवश्यकता है और जिन छात्रों में कम है उन्हें समय–समय पर कैरियर गाइडेंस और अन्य रुचिकर कार्यक्रमों के द्वारा बढ़ाया जा सकता है जिससे विद्यार्थियों के भविष्य निर्धारण एवं जीविकोपार्जन के साधन चुनने में आसानी हो

संदर्भ ग्रंथ सूची –

- A. Suresh (2017), A comparative study of educational and vocational aspirations of socially advantaged and Disadvantaged students *International journal of research society* (1)8, 2456-6683, www.IJRCS.org .
- B. Santosh (2014) A comparative study the level of Aspiration among the adolescents, *GHG journal of Sixth thought* 1(1) March 2014. http://www.ghgcollegesadhar.org.
- K. Mandeep, K. Navjot.(2020). Multiphasic Interest among adolescent students : A survey www.sxcejournal.com. Research and Reflection on Production. 0974-648y, V18.
- M. Gaurish, Plash (2018), A Comparative study of vocational interests of secondary school students in relation to their Gender; IJRAR 5(3) EISNo 2348-1269, ISSN 2349-5138.
- N. Vipul, N. Sushila.(2015).study of educational interests of Xth class students of Tahsil Abohar ISEIS 2277-3169, 5,1, 51-57.
- Nivedita, Singh (2017), Comparative study of the Guidance needs of secondary school students, *International journal of physical and social science* (7) 6 June 2017 ISSN:2249-5894 http://www.ijmra.us.
- सरिता गोस्वामी (2021), माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के विभिन्न प्रकार के व्यवसायिक रूचियों का तुलनात्मक अध्ययन, http://doi.org/10.2227 all research. 2021.V7. i2a.8226
- Singh Debnath, 'Occupational Aspiration and Academic Achievement; A comparative study on Higher Secondary School Students in relation to their Gender; *Mukt School Journal*, 9(4), 2347-3150, 2020.
- उपाध्याय रश्मि, एस. आलोक कक्षा 9वीं में अध्ययनरत छात्र तथा छात्राओं के मध्य शैक्षिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन इन्टरनेशनल जनरल ऑफ मैनेजमेंट सोसीयोलॉजी ह्युमेनीटी V6,8,2015,2277-9809.
- V. Chadrashekharan, Rajesh (2020) A study on level aspiration of high school students. *Scholars journals of arts, humanities and social science*, 2(413); 583-586, 2347-5374. http://saspjournal.com/sjahss .